भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खण्ड–XXVIII अंक–16 31 अगस्त, 2023

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्त रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

जहां स्त्रियों का आदर किया जाता है, वहां देवता निवास करते हैं। जहां इनका अनादर होता है, वहां सारे काम निष्फल होते हैं।

–मनुस्मृति

स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न

15 अगस्त, 2023 स्वतंत्रता दिवस की 77वीं वर्षगांठ खुशनुमा माहौल में अत्यन्त उत्साह एवं उल्लास से संस्थान समुदाय के साथ मनाई गई। संस्थान निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने नियत समय पर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात डोगरा हॉल में उत्साहवर्धक माहौल में समारोह प्रारम्भ हुआ। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यन्त भव्य रहा। निदेशक महोदय के संक्षिप्त व सारगर्भित उद्‌बोधन में नया दिशा–निर्देश समाया रहा। कार्यक्रम के प्रारम्भ में नर्सरी स्कूल व केंद्रीय विद्यालय, आई.आई.टी. दिल्ली के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत–प्रोत प्रस्तुतियाँ दी गई। तत्पश्चात, बीआरसी की अद्‌भुत प्रस्तुतियों ने अमित छाप छोड़ी। संस्थान के फाइन आर्ट्स क्लब द्वारा प्रस्तुत सुंदर चित्रकारी, ड्रामा क्लब द्वारा ड्रामा की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद निदेशक महोदय ने प्रसन्नता के साथ चयनित स्टाफ सदस्यों को 'संस्थान प्रोत्साहन पुरस्कार' एवं सुरक्षाकर्मियों को 'सिक्योरिटी यूनिट अवार्ड' प्रदान किए।

निदेशक महोदय का उद्‌बोधन (अनुदित संक्षिप्त सार)

निदेशक महोदय नें इस पावन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुये संस्थान समुदाय को स्वतंत्रता दिवस की 77वीं वर्षगांठ की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होने कहा कि मैं यह देखकर अभिभूत हूँ कि इस अवसर पर स्कूली एवं संस्थान विद्यार्थी, स्टाफ व संकाय तथा उनके परिवारजन आज यहां एकत्र हुए हैं। आजादी के आंदोलन में देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों का लक्ष्य स्वतंत्रता प्राप्त करना था तथा 1947 में आज ही के दिन स्वतंत्रता प्राप्त की। आप कल्पना कर सकते हैं कि उस दिन क्या भावना रही होंगी? आज आजादी क्या अर्थ क्या है? हमारे लिए इसका क्या महत्व है? हमें जानने की आवश्यकता है। आजादी के 76 वर्षों के बाद भी हमें भुखमरी, गरीबी तथा असहिष्णुता से आजाद होने के लिए अभी लम्बा सफर तय करना है और हम उस दिशा में बढ़ रहे हैं, यह सकारात्मक संकेत है।

हमारे संस्थान ने 1961 से लेकर अभी तक लगभग 60,000 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की और ये सभी किसी न किसी रूप में देश, विश्व तथा समाज में अपना योगदान दे रहे हैं। हममें से प्रत्येक को अपने तरीके से योगदान करना होगा, अपना कार्य ईमानदारी से करना होगा। हमें विचारों से भी स्वतंत्र होना सीखना होगा, वास्तव में यह सबसे महत्वपूर्ण स्वतंत्रता है। यह हम सब की जिम्मेदारी है कि हम भारत को एक ऐसे भविष्य की ओर ले जाएं जिसमें सभी शामिल हों, स्वतंत्र हों, जहां हम तकनीकी एवं इनुपट प्रदान कर सकें ताकि सभी समृद्ध हो सके। आई.आई.टी. दिल्ली के पास सशस्त्र बलों तथा सेना के साथ काम करने का इतिहास रहा है। हमारे यहाँ अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में स्नातकोत्तर स्तर पर नौसेना वास्तुकला तथा निर्माण में पाठ्यक्रम है। हमारे कई विद्यार्थियों ने INS विक्रान्त के निर्माण में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। हम इलैक्ट्रानिक्स, बुलेटप्रुफ जैकेट तथा कई ऐसे उत्पाद एवं तकनीक विकसित कर रहे हैं जो स्वदेशीकरण को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।

आज 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हम एक स्वतंत्र भारत, आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए स्वयं को समर्पित करें। आप सभी को मैं पुनः स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द !

–डॉ. नीरज चौरसिया

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-3/2023/183824 दिनांक 08.08.2023 के अनुसार **प्रो. सौरभ राठौर** ने 03.08.2023 से संस्थान के वायुमण्डलीय विज्ञान केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड–1I) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. सौरभ राठौर को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/181718 दिनांक 07.08.2023 के अनुसार **प्रो. प्रमेश कुमार** ने 02.08.2023 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर (ग्रेड–II) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. प्रमेश कुमार को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2023/186283 दिनांक 16.08.2023 के अनुसार **डॉ. ज्योतिष कुमार दास** ने 04.08.2023 से संस्थान के सिविल इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

पुनर्नियुक्ति

स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2003/170378 दिनांक 03.07.2023 के अनुसार **प्रो. नीरज खरे** (भौतिकी विभाग) को संस्थान संविधि के पैरा 13(2) के अनुसार वर्तमान शैक्षिक सत्र के अंत तक अर्थात् 30.6.2024 तक के लिए भौतिकी विभाग में प्रोफेसर के रूप में पुनर्नियुक्ति किया गया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय/स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 अगस्त, 2023 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

प्रो. नीरज खरे, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग

प्रो. नीरज खरे ने 14.10.2005 को संस्थान में सह प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 03.12.2010 में आपको प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। आपको जुलाई 2019 में एच.ए.जी. स्केल मिला।

संस्थान में शामिल होने से पहले आप राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला (CSIR) में वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत थे। आप दिसंबर 2022 से अनुप्रयुक्त अनुसंधान इलेक्ट्रॉनिक्स केन्द्र (CARE) में एक संयुक्त संकाय रहे हैं। 2016 से 2022 तक आप आईआईटी दिल्ली में नैनोस्केल अनुसंधान सुविधा (NRF) के समन्वयक रहे है। आपको जुलाई 2019 में संस्थान चेयर पद के लिए चुना गया। आप सामग्री विज्ञान और धातुकर्म विभाग, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू.के.; आईबीएम टी.जे. वाटसन रिसर्च सेंटर, यॉर्कटाउन हाइट्स, न्यूयार्क, यू.एस.ए.; भौतिकी और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, यू.के.; पोहांग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में विभिन्न अवधियों के लिए विभिन्न विजिटिंग पदों पर रहे। आपने बी.टेक, एम.एससी. और एम.टेक. के 100 से अधिक छात्रों की प्रोजेक्ट थीसिस का पर्यवेक्षण किया है।

प्रो. खरे का शोध उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की खोज में गहरी रुचि के साथ समाज हित के लिए कार्यात्मक नैनोस्ट्रक्चर सामग्री, नैनोकम्पोजिट और सुपरकंडक्टर्स में मूलभूत मुद्दों को संबोधित करने पर केंद्रित है। आपने सेमीकंडक्टिंग, मैग्नेटिक, फेरोइलेक्ट्रिक, सुपरकंडक्टिंग नैनोस्ट्रक्चर/ नैनो कंपोजिट के निर्माण और अध्ययन के क्षेत्र में काम किया है और औद्योगिक अपशिष्ट जल में कार्बनिक रंगों के उन्नत फोटोडिग्रेडेशन; H_2 उत्पादन के लिए फोटोइलेक्ट्रोकेमिकल जल विभाजन; यांत्रिक ऊर्जा, थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरण, सौर सेल, प्रतिरोधी स्विचिंग मेमोरी, सुपरहाइड्रोफोबिक सतह और सुपरकंडक्टिंग क्वांटम डिवाइस का उपयोग करने के लिए नैनोजेनरेटर जैसे नए अनुप्रयोगों के लिए इसकी क्षमता की खोज की है। आपके योगदान को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है, जो अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण प्रभाव वाले 250 से अधिक पत्रों के प्रकाशन, नौ पेटेंट और ''हाई टेम्प्रेचर सुपरकंडक्टर इलेक्ट्रॉनिक्स'' पर एक पुस्तक सहित तीन संपादित पुस्तकों के माध्यम से स्पष्ट है। आपका एक बहुत महत्वपूर्ण योगदान उच्च तापमान सुपरकंडक्टर्स में जोसेफसन प्रभावों की खोज करना और उसके बाद सुपरकंडक्टिंग क्वांटम इंटरफेरेंस डिवाइस (SQUID) का उपयोग करके एक अल्ट्रासेंसिटिव चुंबकीय क्षेत्र डिटेक्टर विकसित करना है।

अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में बहुत विशिष्ट योगदान के कारण आपको इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स (IOP) यू.के. का फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (NASI) का फेलो और एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ मैटेरियल्स का फेलो चुना गया है। आप 2005 से 2008 तक सुपरकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, 2017 से करंट फिजिक्स एप्लीकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, 2022 से नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, भारत सेक्शन एः भौतिक विज्ञान की प्रोसिडिंग्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (2005) के मॉटिरियल सांइस सेक्शन के अध्यक्ष है।

आप 2022 में आईआईटी दिल्ली के लिए आई.ओ.पी. पब्लिशिंग द्वारा शीर्ष–उद्धृत पेपर पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं। फैकल्टी बेसिक रिसर्च अवार्ड, MRSI-ICSC अवार्ड, इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के मैटेरियल साइंस सेक्शन का प्लेटिनम जुबली लेक्चर अवार्ड, पेंगुइन पब्लिशिंग हाउस द्वारा राइजिंग पर्सनैलिटीज ऑफ इंडिया अवार्ड, मॉटिरियल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (MRSI) मेडल पुरस्कार, राजीब गोयल पुरस्कार, काउंसिल ऑफ साइंटिफिक ऐन्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च यंग साइंटिस्ट अवार्ड

और इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन यंग साइंटिस्ट अवार्ड के भी प्राप्तकर्त्ता रहे है।

विन्रम स्वभाव के प्रो. नीरज खरे अपने संकाय सहकर्मियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय संकाय सदस्य रहे है।

श्री भूपेन्द्र सिंह नेगी, (26256), उप प्रशासनिक अधिकारी, लेखा अनुभाग

श्री भूपेन्द्र सिंह नेगी ने 24.06.1992 को संस्थान में प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.05.1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप तथा 01.07.2004 को इसी योजना के अन्तर्गत कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 24.06.2012 एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया तथा 24.06.2012 को 4800/-रु. के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया तथा 22.12.2022 को आर. ऐन्ड पी.आर. के अन्तर्गत आपको सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया गया तथा 22.02.2023 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको डी.पी.सी. पदोन्नति दी गई। सौम्य स्वभाव के श्री भूपेन्द्र सिंह नेगी कर्मठ एवं कर्तव्यपरायण उप प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं।

श्रीमती राजेश कुमारी (25482), उप प्रशासनिक अधिकारी, हिन्दी कक्ष

श्रीमती राजेश कुमारी ने 20.11.1985 को संस्थान के हिन्दी कक्ष में अवर श्रेणी लिपिक (हिन्दी टंकक) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.12.1993 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में पदोन्नत किया गया। 01.05.1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया। 01.12.2005 को इसी योजना के अन्तर्गत कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 20.11.2015 को आपको ग्रेड वेतन 4600/- रु. में उन्नयन दिया गया। 22.12.2022 को आर. ऐन्ड पी. आर. के अन्तर्गत आपको सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया गया तथा 22.02.2023 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको डी. पी.सी. पदोन्नति दी गई। सौम्य एवं मिलनसार स्वभाव की श्रीमती राजेश कुमारी एक मेहनती एवं कर्मठ उप प्रशासनिक अधिकारी रही हैं।

श्री जसविन्दर सिंह कोहली (25911), लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा अनुभाग

श्री जसविन्दर सिंह कोहली ने 24.09.1981 को संस्थान में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 16.07.1987 को आपको कनिष्ठ कैशियर के स्थान पर अवर श्रेणी लिपिक (नगद) के रूप में नियुक्त किया गया। 01.04.1993 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रवर श्रेणी लिपिक (नगद) के रूप में चयनित किया। 01.05.1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया। 01.04.2005 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 24.09.2011 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 4600/- रु. में उन्नयन दिया गया। 08.12.2022 को डी.पी.सी. के अन्तर्गत आपको लेवल–8 में लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। 22.12.2022 को आर.आर. के अन्तर्गत आपको लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया गया। सौम्य स्वभाव के श्री जसविन्दर सिंह कोहली कर्मठ एवं कर्तव्यपरायण लेखा एवं लेखा परीक्षा अधिकारी रहे हैं।

श्री अनिल कुमार (26269), उप खेल अधिकारी, खेल एकक

श्री अनिल कुमार ने 05.02.1992 को पी.टी.आई. (ग्रेड-II) के रूप में संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.05.1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको पी.टी.आई. के रूप में मैप किया गया तथा 01.03.2004 को इसी योजना के अन्तर्गत पी.टी.आई. (ग्रेड-I) के रूप में पदोन्नत किया गया। 05.02.2012 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको ग्रेड वेतन 4800/- रु. में उन्नयन दिया गया। 05.02.2022 को आर. ऐन्ड पी. आर. के अन्तर्गत आपको वेतन लेवल–9 में उन्नयन दिया गया तथा 22.12.2022 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको उप खेल अधिकारी के रूप में पुनर्पदनामित किया गया। मृदु स्वभाव के श्री अनिल कुमार एक योग्य एवं मेहनती उप खेल अधिकारी रहे हैं।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

प्रो. शुभाशीष बनर्जी, प्रोफेसर, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग

प्रो. शुभाशीष बनर्जी ने 30.11.1989 को संस्थान में लेक्चरर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 09.04.1990 में आपको सहायक प्रोफेसर, 01.08.1997 में सह प्रोफेसर तथा 13.01.2000 में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

आपने जादवपुर विश्वविद्यालय से वर्ष 1982 में बी.ई. (विद्युत), IISc बंगलौर से वर्ष 1984 में एम.ई.(विद्युत) एवं वर्ष 1989 में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आप एक कृतसंकल्प एवं उत्कृष्ट शिक्षक रहे हैं। आपकी कंप्यूटर विज़न, मशीन लर्निंग एवं रोबोटिक्स जैसे विषयों में विशेष रुचि रही है। इन क्षेत्रों में आपके शोध योगदान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

आपने 2004 से 2007 तक कंप्यूटर विज्ञान एवं इजीनियरी विभाग के अध्यक्ष तथा 2009 से 2012 तक कंप्यूटर सेवा केन्द्र (CSC) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। साथ ही साथ आप 2004 से 2006 तक नरेन् गुप्ता चेयर प्रोफेसर, 2010 से 2013 तक माइक्रोसॉफ्ट चेयर प्रोफेसर एवं 2015 से 2020 तक मिनिस्ट्री ऑफ अर्बन डेवलपमेंट चेयर प्रोफेसर रहे हैं।

विन्रम स्वभाव के प्रो. शुभाशीष बनर्जी अपने संकाय सहकर्मियों, स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय संकाय सदस्य रहे है।

संस्थान समुदाय उपरोक्त संकाय/स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

हिन्दी पखवाड़ा 14–29 सितम्बर, 2023

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान द्वारा **'हिन्दी पखवाड़ा'** का आयोजन (14–29 सितम्बर, 2023) किया जा रहा है। संबंधित ब्यौरे निम्नानुसार है:

14.9.2023 (बृहस्पतिवार)
पूर्वाह्न 10.30 बजे
स्थानः सीनेट रूम

संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए कार्यशाला
(ग्रुप 'ए' अधिकारियों एवं 'बी', 'सी' स्टाफ के लिए)

18.9.2023 (सोमवार)
पूर्वाह्न 11:00–1:00 बजे

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
''भारतीय संविधान एवं समृद्ध समाज'' (ग्रुप 'बी' स्टाफ सदस्यों के लिए)
''भारत का चंद्रयान मिशन'' (ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए)

20.9.2023 (बुधवार)
पूर्वाह्न 11.00–12.00 बजे

हिन्दी टिप्पणी एवं प्रारूपण प्रतियोगिता
(ग्रुप 'बी', 'सी' स्टाफ के लिए)

22.9.2023 (शुक्रवार)
पूर्वाह्न 11.00–12.00 बजे

राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता
(ग्रुप 'बी', 'सी' स्टाफ के लिए)

25.9.2023 (सोमवार)
पूर्वाह्न 11.00–12.00 बजे

वाद–विवाद प्रतियोगिता **विषयः ''तकनीकी शिक्षा का व्यवसायीकरण''**
(ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए)

29.9.2023 (शुक्रवार)
पूर्वाह्न 10.30 बजे से

हिन्दी समारोह
(स्वचरित कविता पाठ प्रतियोगिता (स्टाफ सदस्य व विद्यार्थीगण),
'जिज्ञासा' का विमोचन, विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों की घोषणा.....)

कृपया अपने विभाग अनुभाग/प्रकोष्ठ में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों को इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कीजिए तथा इच्छुक स्टाफ सदस्यों का विवरण (नाम, पदनाम, ग्रुप, प्रतियोगिता का नाम, विभाग/अनुभाग/प्रकोष्ठ आदि), **11 सितम्बर, 2023 (सोमवार)** तक hindijournal@gmail.com (cc:hodhindi@admin.iitd.ac.in) पर भेज दें।

प्रतियोगिता के नियम

1. **पात्रताः** हिन्दी कक्ष में कार्यरत कर्मचारियों को छोड़कर संस्थान के ग्रुप 'बी' एवं 'सी' श्रेणी के सभी नियमित कर्मचारी इन प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। पिछले वर्ष के **प्रथम पुरस्कार** प्राप्त प्रतियोगी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं।
2. **पुरस्कारः** प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः 2500/-रु., 2000/-रु. और 1500/-रु. की राशि के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
3. चार प्रतियोगी होने पर केवल दो पुरस्कार (प्रथम एवं द्वितीय) तथा चार से कम प्रतियोगी होने पर केवल एक पुरस्कार (प्रथम) दिया जाएगा।
4. ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए आयोजित ''तकनीकी शिक्षा का व्यवसायीकरण'' वाद–विवाद प्रतियोगिता में विजेताओं को केवल प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144
मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com